मूल्य 1 रु.
वर्ष: 9 - अंक : 214, मुंबई, गुरुवार, 7 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

बीजेपी–शिवसेना का... मतभेद खत्म

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार बनाने को लेकर जारी घमासान के बीच बुधवार को बीजेपी और शिवसेना के सीनियर नेताओं ने मुलाकात कर आपसी मतभेदों को दूर कर लिया है। इस मुलाकात के बाद बीजेपी के नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा है कि राज्य में 100 प्रतिशत बीजेपी और शिवसेना गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल गुरुवार को राज्यपाल से मुलाकात करेंगे। बैठक की समाप्ति के बाद मुनगंटीवार ने कहा, महाराष्ट्र की जनता ने गठबंधन को जनादेश दिया है। बीजेपी-शिवसेना-आरपीआई और सहयोगी दलों के नाम पर ही वोट मांगे गए। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

आज राज्यपाल से मिलेंगे बीजेपी नेता: मुनगंटीवार

पंचकुला हिंसा: राम रहीम के सहयोगी हनीप्रीत जेल से निकली बाहर

विशेष कोर्ट ने दी जमानत

पंचकूला। डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत सिंह की महिला सहयोगी हनीप्रीत को अदालत से जमानत मिल गई है। जमानत मिलने के बाद हनीप्रीत को जेल से रिहा भी कर दिया गया है। पंचकूला की विशेष कोर्ट ने हनीप्रीत को जमानत दी। हनीप्रीत के वकील आरएस चौहान ने बताया था कि वह अंबाला के जेल में बंद थे। जेल में बंद हनीप्रीत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई के लिए पेश हुई थीं। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

भीमा कोरेगांव हिंसा: पुणे के सेशन कोर्ट में 6 आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज

पुणे। भीमा कोरेगांव हिंसा केस में पुणे की सेशन कोर्ट ने 6 आरोपियों की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पूर्व में इस केस के तीन आरोपियों की अर्जी बॉम्बे हाई कोर्ट से खारिज हो गई थी। इसके बाद बुधवार को 6 अन्य आरोपियों की अर्जी को पुणे सत्र न्यायालय ने खारिज कर दिया। जानकारी के अनुसार, पुणे सेशन कोर्ट में आरोपियों शोमा सेन, सुरेंद्र गाडलिंग, रोना विल्सन, सुधीर धवले, वरवरा राव और महेश राउत ने जमानत के लिए याचिका दायर की थी। इन सभी की अर्जियों को कोर्ट ने खारिज कर दिया। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

पुणे से 40 किमी दूर हुई थी हिंसा: बता दें कि बीते साल 1 जनवरी 2018 को पुणे के पास भीमा कोरेगांव हिंसा की 200वीं बरसी पर हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान भारी हिंसा हुई थी। 1 जनवरी को पुणे से 40 किलोमीटर दूर कोरेगांव–भीमा गांव में दलित समुदाय के लोगों का एक कार्यक्रम आयोजित हुआ था, जिसका कुछ दक्षिणपंथी संगठनों ने विरोध किया था। इसी कार्यक्रम के दौरान इस इलाके में हिंसा भड़की थी, जिसके बाद भीड़ ने वाहनों में आग लगा दी और दुकानों–मकानों में तोड़फोड़ की थी। इस हिंसा में एक शख्स की जान चली गई और कई लोग जख्मी हो गए थे।

संक्षिप्त खबर

ऑपरेशन धनुष से दलालों और बेटिकट यात्रियों पर निशाना

मुंबई। त्योहारों के सीजन में बेटिकट यात्रियों और दलालों पर लगाम लगाने के लिए मध्य रेलवे ने ऑपरेशन धनुष अभियान चलाया। एक सप्ताह में आरपीएफ ने अभियान के दौरान 46 व्यक्तियों को 490 लाइव टिकटों के साथ गिरफ्तार किया। इस दौरान रेलवे ने 20 लाख 55 हजार 853 रुपये के टिकट बरामद किए हैं।

मध्य रेलवे के मुताबिक, 26 अक्टूबर से 3 नवंबर तक रेलवे ने दलालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान गिरफ्तार किए गए 46 व्यक्तियों से 14 लाख 1 हजार 648 रुपये के टिकट बरामद किए गए हैं। इनके पास से 470 यात्रा के टिकट भी बरामद हुए हैं , जिनका मूल्य 6 लाख 54 हजार 205 रुपये है। इन सभी को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। आरपीएफ से सलाह के बाद आईआरसीटीसी ने सभी लाइव टिकटों को रद्द कर दिया।

इस अभियान का उद्देश्य ई-टिकटिंग में दिवाली और छठ पूजा की भीड़ को देखते हुए दलालों को नियंत्रित करना था। रेलवे ने यात्रियों से अपील किया है कि वे गैरकानूनी व्यवसाय करने वाले दलालों से टिकट नहीं खरीदें।

फैसला आए माहौल नहीं बिगड़ना चाहिए: नसीम खान

मुंबई। कांग्रेस नेता नसीम खान ने मंगलवार को मुस्लिम समाज की एक बैठक में लोगों से अपील की कि अयोध्या की राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद जमीन विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद असामाजिक तत्व समाज में अशांति फैलाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन उनकी कोशिशों को सफल नहीं होने देना है। सुप्रीम कोर्ट चाहे जो फैसला दे, लेकिन माहौल नहीं बिगड़ना चाहिए।

मंगलवार को घाटकोपर पुलिस स्टेशन में ईद-ए-मिलादुन्नबी की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक हुई। इस बैठक में विभिन्न मुस्लिम संगठनों के 100 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें बीएमसी, एमएमआरडीए और पुलिस के अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में अयोध्या फैसले के बाद पैदा होने वाली स्थिति पर चर्चा हुई।

इस बैठक को संबोधित करते हुए नसीम खान ने कहा कि अयोध्या मामले में कोर्ट का जो भी फैसला आएगा सभी को उसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व हिंदू-मुस्लिम एकता को तोड़ने की कोशिश कर सकते हैं इसलिए सभी को सचेत और संयमित रहना होगा।

खिलौना बंदूक से बाइक सवार को धमकाने के आरोप में दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के उपनगरीय कांदीवली के चारकोप में सोमवार की रात एक मोटरसाइकिल सवार को खिलौना बंदूक से धमकाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है । पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी ।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना करीब दस बजे की है जब एक कार ने मोटरसाइकिल से आगे जाने का प्रयास किया और कार चालक लगातार हार्न बजा रहा था ।

मोटरसाइकिल सवार ने बताया कि उसने कार को पास दे दिया लेकिन उसमें बैठे लोगों ने उसे गाली दी और बंदूक निकाल लिया । बाद में यह बंदूक एक खिलाना साबित हुआ जिसका इस्तेमाल बच्चे पटाखा चलाने के लिए करते हैं । पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया और बाद में उन्हें जमानत दे दी गयी ।

मुंबई के बच्चों में पोषण की कमी, रिपोर्ट से हुआ खुलासा

मुंबई। पोषित आहार न मिलने के कारण मुंबई के बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। नतीजतन उनका वजन सामान्य से कम है, यही नहीं इसके कारण उन्हें कई तरह की बीमारियां भी हो रही हैं। प्रजा फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार, आंगनवाड़ी के 17 प्रतिशत बच्चे और बीएमसी स्कूल में पढ़ने वाले 3 प्रतिशत बच्चों का वजन सामान्य से कम है।

आरटीआई के जरिए बीएमसी और इंटिग्रेटेड चाइल्ड डिविलेपमेंट सर्विस से प्रजा को मिले जवाब के अनुसार, 2018-19 में आंगनवाड़ी के 2.86 लाख बच्चों की जांच की गई, इसमें से 48,849 यानी 17 प्रतिशत बच्चों में पोषण की कमी मिली। वहीं, बीएमसी स्कूल में पढ़ने वाले 2.26 लाख बच्चों की जांच की गई, जिसमें से 7,383 बच्चों का वजन उनकी उम्र के अनुसार, कम पाया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, पोषित आहार की कमी से न केवल बच्चों का वजन कम होता है, बल्कि इससे उन्हें कई तरह की शारीरिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है।

प्रजा ने दावा किया कि 2018-19 के बीएमसी बजट के दौरान कमिश्नर ने बीएमसी स्कूल के बच्चों को सप्लीमेंटरी न्यूट्रीशन देने के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। हालांकि स्कूल में इसे सप्लाई करने के लिए बीएमसी को कोई ठेकेदार नहीं मिला, नतीजतन, अब तक इसका एक भी पैसा खर्च नहीं किया जा सका है। प्रजा के योगेश मिश्र ने कहा कि मुंबई के बच्चों में पोषण की कमी एक गंभीर समस्या है। पिछले तीन सालों से कमोबेश यथास्थिति बनी हुई है। 2018-19 में जहां 17 प्रतिशत बच्चों में कम वजन की शिकायत रही, वहीं इस दौरान 2 हजार से अधिक बच्चे गंभीर रूप से कम वजन का शिकार पाए गए। बता दें कि इस बारे में जब एनबीटी ने बीएमसी शिक्षा विभाग से बात की, तो संबंधित अधिकारियों ने कहा कि यह स्वास्थ्य विभाग के तहत आता है।

बीएमसी स्कूल के बच्चों में मोटापे की समस्या

मुंबई। बीएमसी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में एक ओर कम वजन की शिकायत है, वहीं कुछ बच्चों में मोटापा भी एक चुनौती है। प्रजा रिपोर्ट के अनुसार, 2018-19 में स्कूल में पढ़ने वाले 7,383 बच्चों का वजन सामान्य से कम रहा, वहीं 1421 बच्चों में मोटापा भी देखा गया है, यानी उनका वजन सामान्य से अधिक है।

प्रजा से मिली जानकारी के अनुसार यह पहली बार है जब बीएमसी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की ओवर वेट यानी मोटापे की जांच की जा रही है। बच्चों में मोटापे की शिकायत संभवतः पोषित आहार न मिलने और अधिक से अधिक फैट आधारित खाद्य पदार्थों के इस्तेमाल से हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों में मोटापा की सबसे अधिक शिकायत ग्रांट रोड- मलाबार हिल इलाके से है। यहां 1557 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई, इसमें से 34 बच्चों में मोटापे की शिकायत मिली। बता दें कि मोटापे के कारण बच्चों में कम उम्र से ही डायबीटीज की शिकायत और दिल से जुड़ी बीमारियों की संभावना बढ़ने लगती है।

किसानों को मिले प्रति हेक्टेयर एक लाख रुपये की मदद

मुंबई। कांग्रेस-राकांपा के नेताओं ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिलकर किसानों को प्रति हेक्टेयर एक लाख रुपये की मदद देने की मांग की है। विपक्ष ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किसानों के लिए घोषित 10,000 करोड़ रुपये के पैकेज को ऊंट के मुंह में जीरा करार दिया।

मंगलवार शाम को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिलने गए कांग्रेस राकांपा के प्रतिनिधि मंडल में राकांपा नेता अजित पवार, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बालासाहेब थोरात, सांसद सुनील तटकरे, विधान परिषद में विरोधी पक्ष नेता धनंजय मुंडे, छगन भुजबल, नवाब मलिक, जितेंद्र आव्हाड, अमित देशमुख, धीरज देशमुख आदि नेता शामिल थे। राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि विदर्भ, उत्तर महाराष्ट्र सहित अन्य इलाकों में बेमौसम बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। सरकार ने 10 हजार करोड़ रुपये की मदद की घोषणा की है, लेकिन यह रकम अपर्याप्त है। इसके लिए 25 हजार करोड़ से अधिक की रकम देनी चाहिए।

अंगूर, अनार और संतरे के बागों को भारी नुकसान हुआ है। इन किसानों को डेढ़ से दो लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए।

सोयाबीन, तुअर, ज्वार की फसलों को नुकसान पहुंचा है ऐसे में 50 हजार रुपये हेक्टेयर मुआवजा दिया जाए।

नौकरी के नाम पर 90 से ज्यादा लोगों को ठगा

मुंबई। विदेशी एयर एजेंसी में नौकरी दिलाने के नाम पर 90 से ज्यादा लोगों को ठगने का मामला सामने आया है। जो लोग ठगी का शिकार हुए, उनमें इकबाल खान भी हैं। इकबाल ने कुछ महीने पहले कुछ अखबारों में विज्ञापन देखा, जिसमें मुंबई एयरपोर्ट पर एक विदेशी एयर एजेंसी में नौकरी के लिए जगह होने की बात लिखी हुई थी। इकबाल अपने बेटे की नौकरी की तलाश में थे। उन्होंने विज्ञापन में लिखे मोबाइल नंबरों पर कॉल किया। उन्हें जुलाई के आखिरी सप्ताह में भांडुप में बुलाया गया। उन्हें बताया गया कि बेटे की नौकरी के बदले में उन्हें 50 हजार रुपये देने पड़ेंगे, लेकिन उनके बेटे को हर महीने 20 से 25 हजार रुपये सैलरी भी मिलेगी।

इकबाल को यह भी बताया गया कि इंटरव्यू वाले कल आ रहे हैं। वह अगले दिन बेटे को लेकर भांडुप फिर गए। एक ऑफिस में उनके बेटे को अंदर बुलाया गया, जबकि इकबाल को बाहर ही खड़ा रखा गया। पांच मिनट बाद बेटा बाहर आया और इकबाल को अंदर बुलाया गया। इकबाल को बधाई दी गई कि उनके बेटे का सेलेक्शन हो गया है। उन्हें एक लेटर भी दिया गया और 50 हजार रुपये भी मांगे गए। उन्होंने उस दिन 25 हजार रुपये दे दिए। बाकी रकम दो तीन बाद देने को कहा। दो दिन बाद उन्होंने उस विदेशी एयर एजेंसी के ऑफिस जाकर पता किया, तो पता चला कि उनकी तरफ से किसी का भी सेलेक्शन नहीं किया गया है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साई मंगल को ऑ हों सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: 9619102478 /9769659975
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

महाराष्ट्र में कैसे बनेगी सरकार? 72 घंटों की उल्टी गिनती शुरू

बीजेपी और सेना में कोई भी पीछे हटने को तैयार नही

मुंबई। महाराष्ट्र में 24 अक्टूबर को जब विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो किसी को अंदाजा नहीं था कि शिवसेना और बीजेपी की सरकार बनने में कोई रुकावट है। लेकिन राजनीति अनिश्चितताओं का खेल है। रिजल्ट आए 13 दिन बीत चुके हैं, इसके बावजूद शिवसेना और बीजेपी दोनों ही अड़े हुए हैं। विधानसभा का कार्यकाल 9 नवंबर तक ही है। ऐसे में नई सरकार के गठन की उल्टी गिनती भी शुरू हो चुकी है। अगले 72 घंटे राज्य की सियासत के साथ ही देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के लिए अहम हैं।

सरकार गठन पर शिवसेना से चल रही रस्साकशी के बीच बीजेपी अब आरएसएस की शरण में गई है। मंगलवार देर रात फडणवीस ने आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत से मंथन किया। खास बात यह है कि इस दौरान नितिन गडकरी भी मौजूद रहे। माना जाता है कि मोहन भागवत और शिवसेना सुप्रीमो उद्धव ठाकरे के बीच मधुर संबंध हैं। सूत्रों के मुताबिक फडणवीस ने भागवत से सरकार गठन की डील पर शिवसेना को मनाने के लिए कहा है।

सूत्रों के मुताबिक डील के तहत बीजेपी चार अहम मंत्रालयों में से दो शिवसेना को देने को तैयार है, हालांकि मुख्यमंत्री पद पर वह अड़ी हुई है। विधानसभा चुनाव से पहले शिवसेना में शामिल होने वाले किशोर तिवारी ने मोहन भागवत को लिखी चिट्ठी में कहा है कि इस मामले में संघ की चुप्पी से जनता नाराज है। तिवारी ने खत में लिखा कि नितिन गडकरी को बातचीत की जिम्मेदारी सौंपी जाए। वह दो घंटे के अंदर इस स्थिति को सुलझा लेंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को पहले 30 महीने के लिए मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है और फिर बचे हुए कार्यकाल के लिए बीजेपी फैसला कर सकती है। इससे साफ है कि अब भी शिवसेना पहले अपना सीएम चाहती है।

इन सबके बीच शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने बुधवार सुबह एक ट्वीट करते हुए इशारों में बीजेपी पर फिर हमला बोला। राउत ने ट्वीट में लिखा है, 'जो लोग कुछ भी नहीं करते हैं, वो कमाल करते हैं।' दरअसल आरएसएस से जुड़े अखबार तरुण भारत में उद्धव ठाकरे और संजय राउत को निशाने पर लिया गया था। अखबार के संपादकीय में उद्धव और राउत की जोड़ी को विक्रम-बेताल की जोड़ी बताया गया था।

राउत ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'विधानसभा चुनाव से पहले जिस प्रस्ताव पर हम लोग सहमत हुए थे, शिवसेना उसी पर चर्चा करेगी। अब कोई नया प्रस्ताव मंजूर नहीं होगा। चुनाव से पहले बीजेपी और शिवसेना के बीच सीएम के पद पर समझौता हुआ था, उसी के बाद हम चुनाव में गठबंधन के साथ आगे बढ़े थे।'

2014 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद 10 नवंबर 2014 को नई विधानसभा का गठन हुआ था। इस लिहाज से विधानसभा के कार्यकाल का आखिरी दिन 9 नवंबर 2019 है और इस दिन विधानसभा भंग हो जानी चाहिए। अगर 9 नवंबर तक कोई भी पार्टी या गठबंधन सरकार नहीं बना पाता है तो राज्यपाल सबसे बड़े दल यानी बीजेपी को सरकार बनाने का न्योता दे सकते हैं। हालांकि खास बात यह है कि संवैधानिक परिपाटी के मुताबिक अब तक राज्यपाल से सरकार बनाने का दावा न तो बीजेपी ने किया है न ही शिवसेना ने। सबसे बड़े दल यानी बीजेपी को बहुमत साबित करने के लिए 15 दिन की मोहलत दी जा सकती है। लेकिन अगर बीजेपी सरकार बनाने से इनकार करती है तो दूसरे नंबर की पार्टी यानी शिवसेना को मौका मिलेगा। अगर कोई भी दल सरकार नहीं बना पाता है तो राज्यपाल इसकी सूचना राष्ट्रपति को देंगे। इसके बाद राज्य में अस्थायी रूप से राष्ट्रपति शासन लागू होगा, जिसकी अवधि 6 महीने होती है। हालांकि इस बीच अगर कोई सरकार बनाने के लिए आगे आता है तो राष्ट्रपति शासन हटाया जा सकता है अन्यथा इसे छह-छह महीने की मियाद के लिए बढ़ाया जा सकता है।

गर्भवती महिलाएं दर-ब-दर, बंद पड़ी हैं सनॉग्रफी मशीनें

मुंबई। सीएसएमटी स्थित कामा अस्पताल कहने को तो महिलाओं और बच्चों का विशेष अस्पताल है, लेकिन यहां गर्भावस्था के दौरान की जाने वाली सामान्य सनॉग्रफी तक की सुविधा नहीं है। नतीजतन गर्भवती महिलाओं को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल का चक्कर लगाना पड़ रहा है।

कामा अस्पताल विशेषकर महिलाओं के लिए है, लेकिन तकरीबन एक महीने से यहां सनॉग्रफी मशीन बंद होने के कारण अस्पताल आने वाली महिलाओं को या तो जेजे या फिर प्राइवेट अस्पतालों में जाने को कहा जाता है। प्रशासन का दावा है कि गर्भावस्था के दौरान की जाने वाली सनॉग्रफी के अलावा अन्य सनॉग्रफी की जांचें की जा रही हैं, लेकिन मरीज और परिजन के अनुसार, कोई भी सनॉग्रफी नहीं हो रही है। 5 महीने की गर्भवती महिला सुजाता को अस्पताल की तरफ से नियमित जांच और सनॉग्रफी के लिए कामा अस्पताल बुलाया गया था। मंगलवार को वह डॉक्टर से जांच कराने के बाद जब सनॉग्रफी कराने पहुंचीं, तो वहां उपस्थित रेडियोलॉजिस्ट ने मशीन बंद होने की बात कहकर उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

गिरगांव के रहने वाले मनोज कुमार भी अपनी गर्भवती पत्नी की सनॉग्रफी जांच कराने के लिए कामा अस्पताल आए थे, लेकिन मशीन बंद होने के कारण उन्हें भी खाली हाथ लौटना पड़ा। एनबीटी से बात करते हुए मनोज ने बताया कि एक महीने पहले भी वे सनॉग्रफी के लिए कामा अस्पताल में आए थे। उस समय भी मशीन खराब होने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा था। दुकान पर काम करने वाले मनोज ने बताया कि अस्पताल में सुविधा न मिलने के कारण अब उन्हें प्राइवेट सेंटर पर जाकर जांच करानी होगी, जो आर्थिक

स्थिति ठीक न होने की वजह से उनके लिए मुश्किल पैदा करने वाली है, लेकिन गर्भवती महिला और भ्रूण की बेहतरी के लिए वह किसी भी तरह का समझौता नहीं कर सकते।

कोलाबा की रहने वाली पांच महीने की गर्भवती गायत्री शुक्ला भी मंगलवार को सनॉग्रफी के लिए कामा अस्पताल गई थीं। पहले तो उन्हें सनॉग्रफी के लिए कामा में इधर से उधर दौड़ाया गया। फिर मशीन बंद होने की बात कहकर जीटी अस्पताल रैफर कर दिया। जब गायत्री जीटी अस्पताल पहुंचीं तो पता चला कि मशीन खराब होने के कारण वहां भी सनॉग्रफी बंद है। गायत्री के साथ उनकी बहन का पांच साल का बेटा भी था, जिसे पेट में दर्द होने के बाद डॉक्टरों ने सनॉग्रफी की जांच के लिए बोला गया था। कामा, जीटी और सेंट जॉर्ज का चक्कर लगाने के बाद कहीं भी उनकी जांच नहीं हो सकी। इस बारे में जब एनबीटी ने जीटी अस्पताल से बात की तो अस्पताल प्रशासन का कहना था कि उनके यहां गर्भवती महिलाओं की सनॉग्रफी होती ही नहीं, वहीं मशीन खराब होने के कारण फिलहाल सामान्य सनॉग्रफी भी बंद है।

प्रसुति रोग विशेषज्ञों के अनुसार, गर्भावस्था के दौरान सनॉग्रफी कराना बेहद जरूरी होता है। इससे न केवल भ्रूण के विकास के बारे में जानकारी मिलती है, बल्कि गर्भवती की स्थिति का भी सही से पता लगता है।

प्रेगनेंट महिला के पास अनजान शख्स को बैठाने पर, ऊबर ने ड्राइवर को किया सस्पेंड

मुंबई। मुंबई के पवई इलाके में एक आईटी फर्म में काम करनेवाली प्रेगनेंट महिला ने ऊबर कैब ड्राइवर के बुरे व्यवहार की शिकायत की है। महिला का कहना है कि पवई से विखरोली जाने के 20 मिनट के सफर के बीच में कैब ड्राइवर ने एक अनजान शख्स को भी गाड़ी में बिठा लिया। महिला ने इसकी शिकायत की और आपत्ति भी जताई, लेकिन ड्राइवर ने अनजान शख्स को कैब से नहीं उतारा। घटना सोमवार की शाम को हुई। ऊबर ने इस बारे में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि मामले की जांच चल रही है, फिलहाल के लिए ड्राइवर को सस्पेंड कर दिया गया है।

31 साल की प्रेरणा मिश्रा 6 महीने की गर्भवती हैं और उन्होंने शाम 8 बजे के करीब कैब बुक की थी। प्रेरणा का कहना है कि उन्होंने ड्राइवर को कई बार वॉर्निंग दी थी, लेकिन इसके बाद भी उसने उस शख्स को कैब से नहीं उतारा। प्रेरणा का कहना है कि अर्जुन नाम के ड्राइवर को जब उन्होंने अनजान शख्स को कैब से उतारने के लिए कहा तो उसने उनकी बात नहीं मानी। ड्राइवर बार-बार यही कहता रहा कि घबराने की कोई बात नहीं है।

उन्होंने कहा, 'मैं बार-बार पुलिस स्टेशन जाकर गर्भावस्था के दौरान तनाव नहीं लेना चाहती हैं। इस घटना के कारण मैं पहले से ही काफी डरी हुई हूं। मैंने जब घटना के बारे में अपने पति को बताया तो उन्होंने ऊबर कंपनी से शिकायत दर्ज की और मुझे कंपनी की ओर से बताया गया है कि इस पर कार्रवाई हो रही है।'

प्रेरणा का कहना है कि वह रोज कंपनी से घर जाने के लिए कैब का इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने बताया, 'मेरे साथ ऐसा पहली बार हुआ है। रास्ते में ड्राइवर ने एक अनजान शख्स को बिठा लिया, जब मैंने इसकी शिकायत की तो वह कहने लगा डरने की कोई बात नहीं है। मैंने खिड़की के शीशे नीचे कर लिए और कहा कि मैं अपने पति से शिकायत करने जा रही हूं। इस पर ड्राइवर ने कहा कि वह कुछ गलत नहीं कर रहा।

कुपोषण से मौतें, हाई कोर्ट नाराजगी

मुंबई। मंगलवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने कुपोषण को लेकर सरकार के कामकाज पर नाराजगी जताई। हाई कोर्ट ने कहा कि मेलघाट विदर्भ क्षेत्र में आता है। मुख्यमंत्री खुद विदर्भ के हैं। इसके बावजूद कुपोषण से बाल मृत्यु की समस्या पांच साल में बरकरार है। परिस्थिति पहले की तरह होना बहुत ही खेदजनक है।

कुपोषण को लेकर कई जनहित याचिका हाई कोर्ट में दायर है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सत्यरंजन धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति आर.आई. छागला की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकताओं ने राज्य के कुपोषण की समस्या से पीठ को अवगत कराया। इस पर सरकारी वकील ने दावा किया कि कुपोषण से मृत्यु के मामले घटे हैं। इस पर पीठ ने कहा कि मृत्यु दर कम हो रहा है, यह क्या सरकार के लिए गौरव की बात है? महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य में कुपोषण से बच्चे की मौत होना चिंता की बात है। इसमें सबसे विशेष बात यह है कि कुपोषण की समस्या से ग्रस्त मेलघाट विदर्भ में है।

पवार ने कहा- संजय राउत ने 170 विधायकों की लिस्ट दिखाई

मुझे नहीं पता यह आंकड़ा कैसे आया

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार बनाने को लेकर बयानबाजी का दौर जारी है। बुधवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि भाजपा और शिवसेना को जनादेश मिला है। उन्हें ही सरकार बनाना चाहिए। हमें तो विपक्ष में बैठने का जनादेश मिला है। मैं चार बार मुख्यमंत्री रह चुका हूं। अब इसकी कोई इच्छा नहीं है। पवार ने कहा- शिवसेना नेता संजय राउत 170 विधायकों की लिस्ट दिखा रहे हैं, लेकिन मुझे यह नहीं पता कि यह आंकड़ा उन्होंने कैसे हासिल किया। भाजपा-शिवसेना के बीच तकरार पर पवार ने यह भी कहा, शिवसेना और राकांपा की सरकार का सवाल ही कहां है। वे (भाजपा-शिवसेना) बीते 25 साल से साथ हैं। आज या कल, वे फिर से साथ आ जाएंगे। विकल्प एक ही है कि भाजपा और शिवसेना मिलकर सरकार बनाएं। राष्ट्रपति शासन को दूर रखने का यही एकमात्र तरीका है। 24 अक्टूबर को विधानसभा

चुनाव के नतीजे आए थे, लेकिन सरकार के गठन को लेकर स्थिति अब तक साफ नहीं है। शिवसेना और भाजपा दोनों मुख्यमंत्री पद को लेकर अड़ी हुई हैं। बुधवार को शिवसेना सांसद संजय राउत ने राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। राउत ने कहा, पवार देश और राज्य के बड़े नेता हैं। वे महाराष्ट्र के राजनीतिक हालात को लेकर चिंतित हैं। इसी संबंध में उनसे चर्चा हुई। इससे पहले संजय राउत ने कहा था, हमारी ओर से न तो कोई प्रस्ताव आएगा और न जाएगा। जो पहले तय हुआ था उसी पर बात होगी। ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री पद पर चुनाव से पहले सहमति बनी थी। उसी के मुताबिक गठबंधन हुआ था। मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के घर हुई बैठक के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि जनता ने भाजपा-शिवसेना गठबंधन को जनादेश दिया है। हमने शिवसेना को प्रस्ताव भेजा है और हमें उनकी तरफ से कोई प्रस्ताव नहीं मिला। हम अगले 24 घंटे तक उनके जवाब का इंतजार करेंगे। हमारे दरवाजे खुले हैं।

फडणवीस ने संघ प्रमुख से मुलाकात की: राज्य में सरकार गठन को लेकर पैदा हुए गतिरोध के बीच मंगलवार रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। इससे पहले सुबह शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के सलाहकार किशोर तिवारी ने संघ प्रमुख को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने भागवत से आग्रह किया है कि वे सरकार गठन को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मध्यस्थता कराएं, ताकि भाजपा और शिवसेना के बीच जारी विवाद का सहमति से हल निकल सके।

'शिवसेना सामंजस्य की भूमिका में आए': भाजपा के प्रस्ताव भेजने पर राउत ने कहा था कि उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए लिखित आश्वासन चाहिए। इसके जवाब में भाजपा नेता और प्रदेश के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता। हम भारत और पाकिस्तान हैं क्या? हम शिवसेना के इतने दुश्मन बन गए हैं कि एक-दूसरे का कोई मुंह नहीं देखेंगे। शिवसेना को सामंजस्य की भूमिका अपनानी चाहिए।

राष्ट्रपति शासन की नौबत नहीं आएगी : राकांपा - राकांपा प्रवक्ता विधायक नवाब मलिक ने मंगलवार को कहा कि राज्य में राष्ट्रपति शासन की नौबत नहीं आने देंगे। यदि शिवसेना ने तय किया तो हम महाराष्ट्र में वैकल्पिक सरकार दे सकते हैं। दरअसल, राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि राकांपा शिवसेना के साथ मिलकर राज्य में सरकार बना सकती है और कांग्रेस इसे बाहर से समर्थन दे सकती है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बीजेपी-शिवसेना का मतभेद खत्म

महायुति के लिए ही जनता ने वोट के तौर पर अपना आशीर्वाद दिया है। सरकार बनेगी तो गठबंधन की ही बनेगी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पाटिल गुरुवार की सुबह राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि चुनाव नतीजे आने के बाद दोनों पार्टियों के बीच सीएम पद को लेकर पैदा हुई तल्खी के बाद बड़े नेताओं की यह पहली मुलाकात है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बुलाई गई इस मीटिंग में शिवसेना के विधायक दल के नेता एकनाथ शिंदे और वरिष्ठ नेता रामदास कदम समेत शिवसेना के कुल छह मंत्री मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार इस सप्ताह के अंत तक राज्य में सरकार का गठन हो जाएगा। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अध्यक्ष शरद पवार ने एकबार फिर से सरकार गठन की संभावनाओं को नकार दिया है। शरद पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा, हमें सरकार बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। मैं मुख्यमंत्री नहीं बनने जा रहा हूं। शिवसेना के साथ मिलकर सरकार बनाने की बात कहां से आती है? बीजेपी और शिवसेना का 25 साल से गठबंधन है और उन्हें ही सरकार बनानी चाहिए। महाराष्ट्र की जनता ने हमें जो आदेश दिया है उसके आधार पर कांग्रेस, एनसीपी विपक्ष में बैठेगी। सरकार बनाने पर जो भी गतिरोध है उसे दूर करना चाहिए और सेना और बीजेपी को सरकार बनानी चाहिए। बताते चलें कि शरद पवार की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस से ठीक पहले शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत उनसे मिलने भी पहुंचे थे। इस मुलाकात के बाद ही शिवसेना और बीजेपी के नेताओं के बीच बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के बावजूद कोई हल नहीं निकल पाया है, क्योंकि दोनों ही पार्टियां मुख्यमंत्री के पद को लेकर समझौता करने को राजी नहीं हैं। बता दें कि 24 अक्टूबर को आए राज्य विधानसभा चुनाव के परिणाम में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला। बीजेपी और शिवसेना (एनडीए गठबंधन) को बहुमत के जादुई आंकड़े 145 से कहीं अधिक 161 सीट मिली हैं, लेकिन दोनों दलों के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर विवाद चला आ रहा है। चुनाव में 105 सीटों के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। शिवसेना को 56, एनसीपी को 54 और कांग्रेस को 44 सीटें मिली हैं। बीजेपी और शिवसेना के अपने-अपने रुख पर अड़े रहने से राज्य में नई सरकार का गठन अधर में लटका है। दोनों ही दल मुख्यमंत्री पद को लेकर अपने-अपने रुख पर कायम हैं।

पंचकुला हिंसाः राम रहीम के सहयोगी...

पिछले दिनों उनपर लगे राजद्रोह का आरोप भी हटा लिया गया था। हनीप्रीत इस समय डेरा प्रमुख की सजा के बाद, 25 अगस्त 2017 में हरियाणा के पंचकूला में हुई हिंसा के मामले में जेल में है। जैसे ही हनीप्रीत की जमानत की सूचना सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा के मुख्यालय तक पहुंची तो डेरा प्रेमियों की खुशियों का ठिकाना नहीं रहा। डेरा प्रेमियों ने इसे इंसाफ की जीत बताया और कहा कि हनीप्रीत को झूठे केस में फंसाया गया था। डेरा प्रेमियों ने कहा कि पंचकूला में हमलोग अपना रोष प्रकट करने के लिए गए थे न कि देश द्रोह करने। डेरा प्रेमियों ने बताया कि अब उन्हें गुरमीत सिंह के बाहर आने की भी पूरी उम्मीद लग रही है, डेरा प्रेमियों ने कहा कि गुरमीत सिंह पर भी जो आरोप लगे है वे सभी झूठे हैं। देश द्रोह किसी बाहर देश के साथ मिलकर हिंसा करने को कहते हैं न कि अपने गुरु के लिए रोष प्रकट करने को। इससे पहले हनीप्रीत ने सुप्रीम कोर्ट से लेकर हाई कोर्ट तक कई बार जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। हर जगह उनकी याचिका को खारिज कर दी गई थी। बता दें कि गुरमीत राम रहीम को दो महिलाओं के साथ रेप के मामले में अगस्त 2017 में 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। जनवरी में एक विशेष सीबीआई अदालत ने भी गुरमीत राम रहीम सहित तीन और लोगों को 16 साल पहले एक पत्रकार की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। राम रहीम को दोषी ठहराए जाने के बाद सिरसा और पंचकूला में हिंसा हुई जिसमें 41 लोग मारे गए और 260 से अधिक घायल हो गए थे।

भीमा कोरेगांव हिंसा...

इसके अलावा तीन अन्य आरोपियों सुधा भारद्वाज, वर्नन गोन्साल्वेज और अरुण फरेरा ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने इन तीन की अर्जियों पर भी दलीलों को सुनने के बाद जमानत देने से इनकार कर दिया। फरवरी 2019 में पुणे पुलिस ने चार सामाजिक कार्यकर्ताओं- सुधा भारद्वाज, वरवरा राव, अरुण फरेरा और वर्नन गोन्साल्वेज और प्रतिबंधित कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) समेत कुछ अन्य लोगों के खिलाफ 1,837 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। भीमा कोरेगांव में हुई हिंसा के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस ने पांचों को 28 अगस्त को गिरफ्तार किया था। इनपर अनलॉफुल ऐक्टिविटीज प्रिवेंशन ऐक्ट की धाराएं लगाई गई थीं।

दिल्ली पुलिस के जवान को पीटना निंदनीय: मृत्युंजय

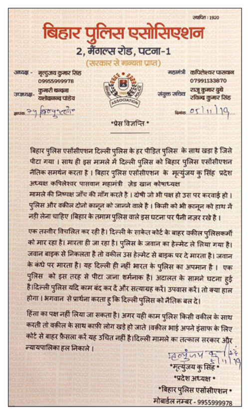
बिहार पुलिस एसोसिएशन

निष्पक्ष जांच कराने की मांग

राजधानी दिल्ली में वकीलों के साथ झड़प और मारपीट के खिलाफ दिल्ली पुलिस के जवान जहां एक ओर सड़कों पर उतर आये हैं। वहीं बिहार पुलिस एसोसिएशन ने दिल्ली पुलिस के आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह ने दिल्ली पुलिस के जवानों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस एसोसिएशन दिल्ली पुलिस के हर पीड़ित पुलिस के साथ खड़ा है, जिसे पीटा गया है। साथ ही इस मामले में दिल्ली पुलिस को बिहार पुलिस एसोसिएशन नैतिक समर्थन करता है। बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह, महामंत्री कपिलेश्वर पासवान, कोषाध्यक्ष जेड खान ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा है कि मामले में जो भी दोषी पक्ष हो उस पर कारवाई हो। पुलिस और वकील दोनों कानून को जानने वाले है। किसी को भी कानून को हाथ में नहीं लेना चाहिए। बिहार के तमाम पुलिस वाले इस घटना पर पैनी नजर रखे हैं। बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि एक तस्वीर विचलित कर रही है। दिल्ली के साकेत कोर्ट के बाहर वकील पुलिसकर्मी को मार रहा है। मारता ही जा रहा है।

पुलिस के जवान का हेल्मेट ले लिया गया है। जवान बाइक से निकलता है तो वकील उस हेल्मेट से बाइक पर दे मारता है। जवान के कंधे पर मारता है। यह दिल्ली की नहीं भारत के पुलिस का अपमान है। एक पुलिस को इस तरह से पीटा जाना शर्मनाक है। अदालत के सामने घटना हुई है। साथ ही कहा गया है कि दिल्ली पुलिस यदि काम बंद कर दे और सत्याग्रह करें, तो क्या हाल होगा। भगवान से प्रार्थना करता हूं कि दिल्ली पुलिस को नैतिक बल दें। हिंसा का पक्ष नहीं लिया जा सकता है। अगर यही काम पुलिस किसी वकील के साथ करती तो वकील के साथ काफी लोग खड़े हो जाते। वकील भाई अपने इंसाफ के लिए कोर्ट के बाहर फैसला करें, यह उचित नहीं है। दिल्ली मामले का तत्काल सरकार और न्यायपालिका हल निकाले।

मुंबई में हुआ वर्ल्ड हेरिटेज वोलेअंटीयर का नियोजन

Unesco वर्ल्ड हेरिटेज वोलेअंटीयर कार्यक्रम मुंबई में elixir foundation द्वारा आयोजित किया गया था। इसके बारहवें वर्ष में, 62 विश्व धरोहर संपत्तियों और साइटों पर 68 एक्शन कैंप परियोजनाओं को कार्यान्वित किया गया था जून से दिसंबर 2019 तक, तम्बू सूचियों पर उत्कीर्ण 36 देशों में 55 संगठनों द्वारा। भारत के विभिन्न हिस्सों से प्रतिनिधि चुने गए और विरासत मुंबई को मौका दिया गया। मुंबई विश्व धरोहर स्थल है, इसलिए लोगों को जागरूक करने के लिए और हमारी धरोहर स्थलों की सुरक्षा के लिए, यह कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। 5 राज्यों के 30 प्रतिनिधियों और krvia, जूहू के छात्रों ने भाग लिया। उन्हें मुंबई में विभिन्न विरासत स्थलों पर ले जाया गया था। एलिफेंटा caves, म्यूजियम, Bse, vidhan bhavan, rajabhai टॉवर, सभी victoria स्मारक, CSMT रेल मार्ग स्टेशन, आदि। जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ जैसे कि सफाई, स्केचिंग, वाद-विवाद आदि को लिया गया।

करतारपुर कॉरिडोर

भारत ने आतंकी खतरे के इनपुट पाकिस्तान से साझा किए, कहा- श्रद्धालुओं के वीआईपी जत्थे को कड़ी सुरक्षा दें

सिखों के प्रथम गुरु गुरुनानक देव की 550वीं जयंती पर 9 नवंबर को पाकिस्तान में करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन होगा। करतारपुर जाने वाले पहले भारतीय जत्थे के 550 श्रद्धालुओं के नाम भारत ने पाकिस्तान को सौंप दिए हैं। खबर के मुताबिक, भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि क्या करतारपुर जाने के लिए पासपोर्ट की आवश्यकता होगी। इसके अलावा भारत ने आतंकी खतरे के इनपुट भी पाकिस्तान से साझा किए और करतारपुर जाने वाले वीआईपी जत्थे को कड़ी सुरक्षा मुहैया कराने को कहा। खबर के मुताबिक, भारत ने खालिस्तान समर्थक संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से मिली धमकी की जानकारी पाकिस्तान को दी है। पहले जत्थे

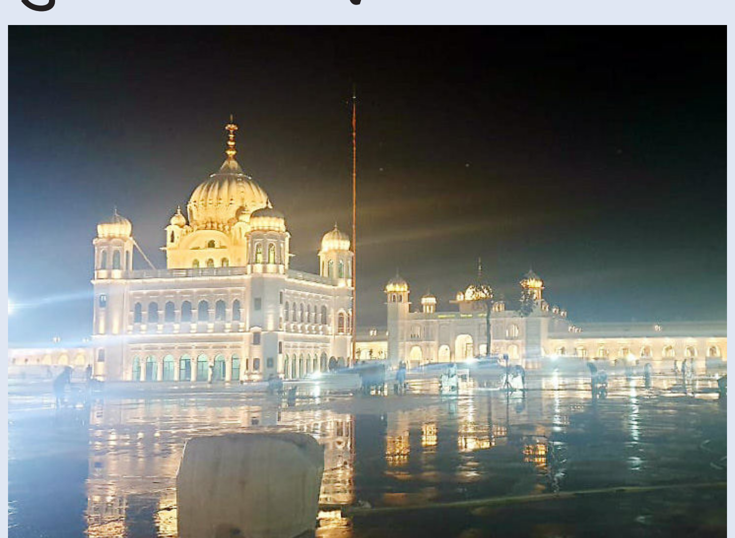

की सूची में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू इसमें शामिल होंगे या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। खबर के मुताबिक, पाकिस्तान ने करतारपुर से संबंधित किसी भी कार्यक्रम की जानकारी भारत के साथ साझा नहीं की है। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि वह स्पष्ट करे कि करतारपुर साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं को पासपोर्ट रखने की जरूरत होगी, या नहीं? पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने ट्वीट कर कहा था कि श्रद्धालुओं को करतारपुर आने के लिए पासपोर्ट की जरूरत नहीं होगी। लेकिन, समझौते में पासपोर्ट रखने की अनिवार्यता पर सहमति हुई थी।

वीडियो सॉन्ग में दिखे नवजोत सिद्धू और खालिस्तान समर्थक: पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने उद्घाटन समारोह के लिए वीडियो सॉन्ग और डाक टिकट जारी किए। डाक टिकट पाकिस्तान के अलावा 12 अन्य देशों में बिक्री किए जाएंगे। हालांकि, वीडियो को लेकर विवाद शुरू हो गया है। इस वीडियो में खालिस्तान समर्थक भिंडरावाले के अलावा मेजर जनरल शहबाग सिंह और अमरीक सिंह खालसा को दिखाया गया है। इसके अलावा वीडियो में कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू भी नजर आए। वीडियो में दिखाई दिए खालिस्तान समर्थकों को भारतीय सेना ने जून 1984 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में ऑपरेशन ब्लू स्टार के तहत मार गिराया था। इन सभी की अलग खालिस्तान की मांग थी और सरकार से बगावत कर दी थी।

करतारपुर पाकिस्तान का हिडेन एजेंडा, हमें सतर्क रहना होगा- अमरिंदर

वीडियो सॉन्ग में खालिस्तान समर्थकों के दिखाई देने पर पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि मैं पहले दिन से ही यह कह रहा हूं कि यह पाकिस्तान का हिडेन एजेंडा है। उन्होंने कहा- एक तरफ तो पाकिस्तान प्यार दिखा रहा है और दूसरी तरफ वह मुसीबत खड़ी कर रहा है। हमें पाकिस्तान के इरादों को लेकर बेहद सतर्क रहना होगा।

डेरा बाबा नानक साहिब और करतारपुर को जोड़ेगा कॉरिडोर: सिखों के तीर्थस्थल गुरुद्वारा ननकाना साहिब में सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक देव का जन्म हुआ था। साल 2019 को गुरु नानक देव की 550वीं जयंती के तौर पर मनाया जा रहा है। करतारपुर कॉरिडोर भारत में डेरा बाबा नानक साहिब और करतारपुर स्थित दरबार साहिब को जोड़ेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा– अटके हुए हाउसिंग प्रोजेक्टों के लिए 25 हजार करोड़ रुपए का विशेष कोष बनाया जाएगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार शाम एक प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि देश के कई शहरों में 1600 से ज्यादा अटके पड़े हाउसिंग प्रोजेक्टों को पूरा किए जाने के लिए केंद्र सरकार ने 25 हजार करोड़ रुपए के एक विशेष कोष की स्थापना करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया है। सीतारमण के मुताबिक, देश में 4 लाख 58 हजार मकान अधूरे हैं। इन मकानों का निर्माण पूरा करने के लिए सरकार ने एक 'विशेष

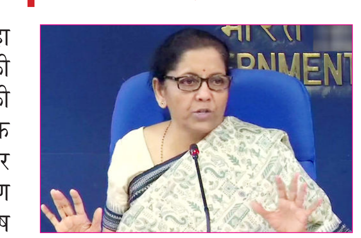

विंडो' स्थापित करने का फैसला किया है। इस काम में सरकार अपनी ओर से 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इसमें 15 हजार करोड़ रुपए की राशि भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम से उपलब्ध कराई जाएगी। सीतारमण ने कहा- इस तरह 25 हजार करोड़ रुपए का वैकल्पिक प्रारंभिक निवेश कोष बनाया जाएगा। मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद जैसे कई शहरों में ये हाउसिंग प्रोजेक्ट अधूरे पड़े हैं। उन्होंने बताया कि जो मकान अधूरे हैं, उनकी बाजार में कीमत दो करोड़ रुपए तक है।

डीआरडीओ: दूसरी अंडरवॉटर न्यूक्लियर मिसाइल का परीक्षण 8 नवंबर को

इसकी मारक क्षमता 3500 किमी तक

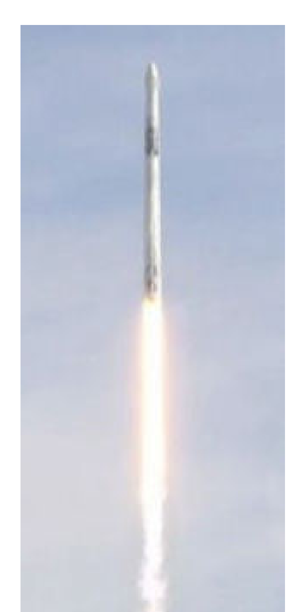

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) 8 नवंबर को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम तट पर के-4 न्यूक्लियर मिसाइल का परीक्षण करेगा। यह टेस्ट पानी के अंदर बने प्लेटफॉर्म से किया जाएगा। यह मिसाइल 3500 किलोमीटर दूर बैठे दुश्मन को निशाना बना सकती है। यह देश की दूसरी अंडरवॉटर मिसाइल है। इससे पहले 700 किलोमीटर मारक-क्षमता वाली बीओ-5 मिसाइल बनाई गई थी। डीआरडीओ ने न्यूक्लियर आर्म्ड सबमरीन आईएनएस अरिहंत के लिए मिसाइल बनाई है। के-4 देश की दूसरी अंडरवॉटर मिसाइल है। इससे पहले 700 किमी मारक-क्षमता वाली बीओ-5 मिसाइल तैयार की गई थी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, के-4 का परीक्षण पिछले ही महीने करना था, लेकिन किसी कारण से इसे टाल दिया गया। डीआरडीओ अगले कुछ हफ्तों में अग्नि-3 और ब्रम्होस मिसाइल के परीक्षण की योजना भी बना रहा है। देश में बनी पहली न्यूक्लियर आर्म्ड सबमरीन आईएनएस अरिहंत को अगस्त 2016 में नेवी के बेड़े में शामिल किया गया था। न्यूक्लियर आर्म्ड सबमरीन वाला भारत विश्व का छठा देश है। इसके अलावा अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन के पास ही ऐसी सबमरीन हैं।

इन्फोसिस: चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने कहा– कंपनी के वित्तीय आंकड़ों को भगवान भी नहीं बदल सकता

आईटी कंपनी इन्फोसिस ने बुधवार को कहा कि व्हिसलब्लोअर की शिकायतों में कंपनी के को-फाउंडर्स और पूर्व कर्मचारियों के शामिल होने की अटकलें लगना कुछ लोगों की खराब सोच का नतीजा है। कंपनी के चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने कहा- ऐसा लगता है कि सबसे शिष्ट और सम्मानित व्यक्तियों की छवि खराब करने के लिए ऐसा किया गया। मैं कंपनी के सभी को-फाउंडर के योगदान का बेहद सम्मान करता हूं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नीलेकणि ने वित्तीय आंकड़ों में हेर-फेर की कोशिशों के आरोप पर कहा कि कंपनी के नतीजों को भगवान भी नहीं बदल सकता। नीलेकणि ने कहा कि इन्फोसिस के को-फाउंडर्स ने निस्वार्थ सोच रखकर काम किया। वे लंबे समय तक कंपनी की सफलता के लिए प्रतिबद्ध रहे। एक लॉ फर्म व्हिसलब्लोअर के आरोपों की स्वतंत्र जांच कर रही है। इसके नतीजे सही समय पर सभी संबंधित पक्षों को बताए जाएंगे। इन्फोसिस ने 21 अक्टूबर को बताया था कि सीईओ सलिल पारेख और सीएफओ निलंजन रॉय पर अज्ञात कर्मचारियों ने अकाउंटिंग में अनैतिक तरीका अपनाने के आरोप लगाए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। आरोपों के मुताबिक पारेख और रॉय ने कंपनी का रेवेन्यू और मुनाफा बढ़ाने के लिए गलत तरीके अपनाए। कंपनी ने बीते सोमवार को कहा था कि व्हिसलब्लोअर के आरोपों के समर्थन में अभी तक कोई सबूत नहीं मिला।

इन्फोसिस के शेयर में 2.4% तेजी: बीएसई पर शेयर 2.37% बढ़त के साथ 712.30 रुपए पर बंद हुआ। एनएसई पर 2.36% ऊपर 712.50 रुपए पर क्लोजिंग हुई। इंट्रा-डे में दोनों एक्सचेंज पर 721.50 रुपए तक पहुंचा था।

वकील-पुलिस संघर्ष, ऐसी नौबत आई ही क्यों?

अशोक भाटिया

एक ओर है सेना, जो बाहर के दुश्मनों से देश की रक्षा करती है, दूसरी ओर है पुलिसे जिस पर देश में कानून-व्यवस्था की रक्षा करने की जिम्मेदारी है। दोनों हर रोज अपना काम करते हैं, लेकिन सेना के जवान को देखते ही उन्हें सैल्यूट करने का मन होता है, जबकि पुलिसवालों को देखकर मन में यही बात आती है कि किसी भी तरह दूरी बनाते हुए निकल जाएं, सैल्यूट तो बहुत दूर की बात है। इन दिनों दिल्ली की सड़कों पर यही पुलिस न्याय की मांग कर रही है। जनता के लिए नहीं, अपने लिऐ दरअसल, कुछ वकीलों ने कुछ पुलिसवालों को पीटा और पुलिसवालों ने वकीलों को पीटा यानी दोनों ने एक दूसरे को पीटा है और अब दोनों ही आंदोलन पर उतर आए है। सवाल केवल यह नहीं है कि ऐसी नौबत क्यों आई, बल्कि यह भी है कि सड़क पर उतरे पुलिस कर्मियों ने अपने अधिकारियों के आग्रह की अनसुनी क्यों की? यह समझ आता है कि अपने साथ हुए व्यवहार से आहत पुलिस कर्मियों ने अपनी व्यथा बयान करना आवश्यक समझा, लेकिन क्या यह बेहतर नहीं होता कि पुलिस मुख्यालय धरना देने गए पुलिस कर्मी अपनी पीड़ा व्यक्त करने के बाद काम पर लौट जाते? इसमें जो देरी हुई उससे न केवल अनुशासन संबंधी सवाल उठे, बल्कि पुलिस कर्मियों के प्रति हमदर्दी भी कम हुई। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि आखिरकार दिल्ली पुलिस कर्मियों ने अपना धरना खत्म कर दिया, क्योंकि उन कारणों की तह तक जाने और उनका निवारण करने की सख्त जरूरत है जिनके चलते देश की राजधानी में अप्रिय दृश्य दिखाई दिए। ऐसे दृश्य देश की छवि बिगाड़ते ही है। दिल्ली में वकीलों और पुलिस के झगड़े में किसी एक के पक्ष खड़ा नहीं हुआ जा सकता, क्योंकि यह मानने के अच्छे-भले कारण है कि एक अदालत परिसर में पार्किंग को लेकर हुए झगड़े में दोनों ने ही किसी न किसी न स्तर पर अति की। इस अति में कौन-कितना दोषी है, यह किसी जांच से ही पता चल सकता है। निराशाजनक केवल यह नहीं रहा कि इस झगड़े के बाद ऐसे कदम नहीं उठाए जा सके जिससे वकील भी संतुष्ट होते और पुलिस भी, बल्कि यह भी रहा कि दोनों पक्ष अपने हिसाब से सही-गलत का फैसला करने के लिए दबाव का सहारा लेने लगे। यह न्यायसंगत तरीका नहीं। ऐसे आचरण से विधि के शासन की हेठी ही होती है।दुर्भाग्य यह है कि किसी झगड़े को निपटाने में न्यायसंगत तरीके के अभाव का यह पहला मामला नहीं। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया ही जाए कि वकील-पुलिस संघर्ष के साथ गुटीय हिंसा की अन्य घटनाओं में कानून अपना काम न केवल मुस्तैदी से करे, बल्कि करता हुआ दिखे भी।

दिल्ली पुलिस कर रही है प्रदर्शन और गृहमंत्री लापता हैं

सिर्फ वकीलों की मारपीट नहीं, सीनियर्स का रवैया भी था पुलिसवालों के गुस्से की वजह

नई दिल्ली। पुलिस और वकीलों के बीच टकराव के बाद उत्पन्न हालात के बीच बीजेपी और कांग्रेस बेहद सधे अंदाज में प्रतिक्रिया दे रही हैं। कोई भी पार्टी वकीलों या पुलिस के खिलाफ बयानबाजी से परहेज कर रही हैं। पार्टियों ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इस मामले को जल्द सुलझाने की मांग की। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार पर हमला बोला।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि दिल्ली पुलिस प्रदर्शन कर रही है और कोर्ट-कचहरी ठप पड़ी है। अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन देश के गृह मंत्री पूरे मामले में लापता हैं।

आप के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले 70 सालों में दिल्ली की कानून-व्यवस्था इस समय सबसे खराब है। स्नैचिंग, लूटपाट की घटनाएं हर रोज हो रही हैं, लेकिन केंद्र सरकार और गृह मंत्री स्थिति में सुधार के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। वकीलों और पुलिस के बीच हो रहे टकराव को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में केंद्र की चुप्पी समझ से परे है। दिल्ली पुलिस के विरोध प्रदर्शन को लेकर बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि पुलिस राजनीतिक इकाई में तब्दील हो गई है जबकि इसका काम कानून व्यवस्था बनाए रखने का है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने अपना विडियो ट्वीट करके कहा है कि दो दिन में हिंसा की जो घटनाएं हुई हैं, वे दुखद हैं। इस मामले में दोनों ही पक्षों को बैठकर इस मामले को सुलझाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया है कि सीनियर वकील और सीनियर पुलिस अफसर इस मामले में बातचीत करें। उन्होंने कहा है कि इस टकराव का फायदा असामाजिक तत्व उठा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने भी इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि वह किसी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन जिस तरह से वकीलों को उनके चैंबर से निकालकर पीटा गया, वह नहीं होना चाहिए। वे इस तरह की ज्यादती के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि वे खुद घायल वकीलों से भी मिलने गए हैं और उनका वकीलों को पूरा समर्थन है।

महिला की पथरी निकाली, अंदर छोड़ दिया तौलिया-बैंडेज

नई दिल्ली। चालीस साल की निशा बेगम की पथरी का ऑपरेशन उत्तर प्रदेश के बागपत के एक सरकारी अस्पताल में हुआ। यहां डॉक्टरों ने पथरी तो निकाल दी लेकिन उसके पेट में तौलिया और बैंडेज छोड़ दिया और टांके लगा दिए। महिला की हालात में सुधार न देखते हुए उसे दिल्ली लाया गया। यहां के हिंदूराव अस्पताल के डॉक्टरों ने उसके पेट से तौलिया निकाला।

पथरी का ऑपरेशन करवाने के बाद भी निशा के पेट का दर्द कम नहीं हो रहा था। लगातार छह महीने तक वह डॉक्टरों के चक्कर लगा रही थी। 15 अक्टूबर को उन्हें हिंदूराव अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां ऑपरेशन के बाद पेट से तौलिया निकाला गया। निशा बेगम के भाई मोहम्मद वसीम के अनुसार, उनकी बहन बागपत की रहने वाली हैं और उनके पेट में लगातार दर्द की शिकायत थी। करीब 6 महीने पहले उन्हें बागपत के एक सरकारी अस्पताल में दिखाया गया था, जहां डॉक्टरों ने पथरी की बात बताई। डॉक्टरों ने ऑपरेशन की सलाह दी। उनकी सलाह पर निशा का ऑपरेशन कराया गया। इस दौरान डॉक्टरों ने तौलिया और कुछ बैंडेज उनकी पेट में ही छोड़ दिया और टांके लगा दिए।

ऑपरेशन के तीन दिन बाद उनकी बहन को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मगर, इसके बाद पेट का दर्द ठीक नहीं हुआ। पेट में काफी दर्द होने पर दोबारा उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने दवाइयां बदल दीं और कहा कि इससे आराम मिल जाएगा, फिर भी कोई राहत नहीं मिली। अस्पताल के डॉक्टरों ने तीसरी बार निशा को भर्ती कराने के लिए कहा। इस बार भी डॉक्टरों ने दवाइयां ही बदल कर दी, लेकिन पेट दर्द ठीक नहीं हुआ। पेट में काफी दर्द होने के बाद 15 अक्टूबर को निशा के पति कौशिद उन्हें हिंदूराव अस्पताल लेकर आए। 15 दिनों तक डॉक्टरों ने उन्हें अपनी निगरानी में रखा और कई टेस्ट कराए। 30 अक्टूबर निशा को ऑपरेशन किया गया और उनके पेट से तौलिया निकाला। अस्पताल के डॉ. पी. के. गोविल का कहना है कि महिला का ऑपरेशन कर उनके पेट से तौलिया निकाला गया है। मगर, उनकी स्थिति अब भी थोड़ी गंभीर है। वसीम का कहना है कि बागपत अस्पताल के डॉक्टरों के लापरवाही के कारण उनकी बहन की स्थिति गंभीर है। उनके खिलाफ थाने में शिकायत की जाएगी।

राम विलास पासवान ने बेटे चिराग को सौंपी विरासत

नई दिल्ली/पटना। केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान को लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दिल्ली में हुई पार्टी की बैठक में इस फैसले पर मुहर लगी। चिराग पासवान लगातार दो बार से बिहार की जमुई लोकसभा सीट से सांसद हैं। बता दें कि राम विलास पासवान (73) ने वर्ष 2000 में एलजेपी की स्थापना की थी। रामविलास पासवान अब पार्टी के संस्थापक-ट्रस्टी की जिम्मेदारी निभाएंगे।

मंगलवार को दिल्ली में एलजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राम विलास पासवान और चिराग पासवान समेत पार्टी के तमाम बड़े नेता मौजूद थे। इस बैठक में चिराग पासवान को एलजेपी का अध्यक्ष बनाने का औपचारिक ऐलान किया गया। इसके साथ ही एलजेपी की कमान अब पूरी तरह युवा हाथों में आ चुकी है। बिहार में पार्टी की कमान पहले ही राम विलास पासवान के भाई और पूर्व सांसद दिवंगत रामचंद्र पासवान के बेटे प्रिंस राज को सौंपी गई थी। प्रिंस ने हाल ही में समस्तीपुर लोकसभा उपचुनाव में जीत हासिल की थी।

36 वर्षीय चिराग पासवान ने अपने करियर की शुरूआत फिल्मों में अभिनय से की थी। उन्हें समीक्षकों की वाहवाही तो मिली लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। 2011 में उन्होंने मिले न मिले हम फिल्म में काम किया।

काशी में प्रदूषण की चपेट में भगवान! देवी-देवताओं को पहनाया मास्क

वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की आबोहवा भी खराब हो गई है। वायु प्रदूषण के कारण पूरा शहर स्मॉग की चादर से ढका हुआ है। इस कारण लोगों को जहां सांस लेने में दिक्कत हो रही है, वहीं कई मंदिरों में अब भगवान को भी प्रदूषित हवा से बचाने का इंतजाम किया जाने लगा है। शहर के कुछ मंदिरों में भगवान की मूर्ति को मास्क पहनाया गया है। भगवान को प्रदूषण से राहत देने के लिए मंदिर प्रशासन द्वारा उठाया गया यह कदम शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

ऑड-ईवनः डीटीसी बसों में बढ़ गए 7 लाख पैसेंजर

नई दिल्ली। दिल्ली में ऑड-ईवन लागू होने के बाद सड़कों पर डीटीसी, क्लस्टर की ज्यादा से ज्यादा बसों को सड़कों पर उतारा गया है और प्राइवेट बसों की संख्या भी 700 तक पहुंच गई है। ज्यादा बसें सड़कों पर होने से डीटीसी की राइडरशिप में भी इजाफा हुआ है। ऑड-ईवन के पहले दिन डीटीसी की राइडरशिप में करीब 7 लाख का इजाफा हुआ है। ऑड-ईवन लागू होने के पहले दिन 3 नवंबर को डीटीसी में टिकट लेकर सफर करने वालों की संख्या 12 लाख 69 हजार 905 थी, जो ऑड-ईवन के पहले दिन 4 नवंबर को बढ़कर 19 लाख 65 हजार124 हो गई है, इनमें पिंक पास लेकर मुफ्त सफर योजना के तहत यात्रा करने वाली महिलाओं की संख्या 40 फीसदी रही है।

पीएफ घोटालाः अखिलेश बोले- योगी इस्तीफा दें

लखनऊ। बिजली कर्मचारियों के पीएफ घोटाले में ऊर्जा विभाग में पहले तैनात रहे कई अफसर जांच के घेरे में आ सकते हैं। इसमें अखिलेश सरकार और बाद में योगी सरकार में पावर कॉरपोरेशन में तैनात अफसरों की भूमिका की जांच हो सकती है। इधर, इस घोटाले को लेकर अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला है। यादव ने कहा कि डीएचएफएल में बिजली कर्मचारियों का पैसा डुबाने के लिए केवल योगी सरकार जिम्मेदार है। अखिलेश ने योगी के इस्तीफे की भी मांग की। वहीं, यूपी प्रदेश कांग्रेस

अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने इस मामले में ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा पर हमला बोलते हुए पूछा कि आखिर वह सितंबर-अक्टूबर 2017 में दुबई क्यों गए थे?

मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश ने आरोप लगाया कि ढाई साल से योगी सरकार में पैसे का गोलमाल चलता रहा। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार में एक भी पैसा डीएचएफएल को नहीं गया। एफआईआर में भी 24 मार्च 2017 का जिक्र है। इसलिए सीएम योगी आदित्यनाथ को इस्तीफा देना चाहिए।हमारी मांग है कि इस पूरे प्रकरण की जांच हाई कोर्ट के सिटिंग जज से कराई जाए जिससे सही जांच हो सके।' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम ने समीक्षा की और कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग के दो साल के कामों की जांच होगी। इसके बाद कहते है कि बिजली विभाग के दो साल की जांच होगी।

बफीर्ले पहाड़ों से रेगिस्तान तक, ये हैं नवंबर में घूमने के बेस्ट डेस्टिनेशन्स

नवंबर में घूमने के ये हैं बेस्ट डेस्टिनेशन्स

नवंबर के शुरूआती सप्ताह में ही हल्की हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। फेस्टिव सीजन खत्म हो चुका है, लेकिन कई लोग ऐसे भी हैं, जो वकेशन प्लान करने की सोच रहे हैं क्योंकि उन्हें सर्दी के मौसम में घूमना पसंद है। यहां हम आपको नवंबर में घूमने के कुछ बेस्ट डेस्टिनेशन्स के बारे में रहे हैं।

कच्छ रण उत्सव, गुजरात

गुजरात में होने वाले इस उत्सव में शामिल होने के लिए न सिर्फ देश बल्कि दुनियाभर से लोग आते हैं। उत्सव 28 अक्टूबर 2018 से शुरू हो चुका है और यह 23 फरवरी 2020 तक चलेगा। यहां आपको आर्ट, म्यूजिक, कल्चर के साथ ही राज्य के कई तरह के अट्रेक्शन देखने को मिलेंगे। इसमें मास्टर बुनकर, संगीतकार, लोक नर्तक और गुजरात राज्य से सबसे अच्छा व्यंजन निमार्ताओं सहित कारीगर भी शामिल होते हैं।

जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान के शहर जैसलमेर को गोल्डन सिटी भी कहा जाता है। सर्दियों के दौरान जैसलमेर घूमने का प्लान बना सकते हैं। राजस्थान का यह शहर घूमने के लिए बढ़िया जगह है। यहां घूमने आने वाले पर्यटक जैसलमेर की सड़कों पर सैर, वहां की मार्केट में खरीदारी और राजस्थानी खाने का स्वाद ले सकते हैं।

जीरो वैली, अरुणाचल प्रदेश

प्रकृति के नजदीक और शहरी शोर-शराबे से दूर शांति का अनुभव करना चाहते हैं, तो आपको अरुणाचल प्रदेश के जीरो वैली आना चाहिए। जीरो वैली में आप ग्रुप या सोलो ट्रिप प्लान कर सकते हैं और यकीन मानिए यहां बिताए गए समय को आप कभी भूल नहीं पाएंगे।

जोधपुर, राजस्थान

जोधपुर में घूमने के लिए अनेक ऐसे स्थान हैं जो शहर के शाही इतिहास और संस्कृति में डूबे हैं। नीले रंग में रंगे मकानों से भरे पड़े जोधपुर की मध्यकालीन इमारतें और इनके बीच से निकलती घुमावदार गलियां एक अलग ही नजारा पेश करती हैं। ऐतिहासिक रूप से समृद्ध शहर की खूबसूरती में राओ जोधा डेजर्ट रॉक पार्क और जगमगाती ऐतिहासिक इमारतें चार चांद लगा देती हैं।

दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल

भारत के टॉप टूरिस्ट डेस्टिनेशन की लिस्ट में क्वीन ऑफ हिल्स कहे जाने वाले दार्जिलिंग का नाम भी शामिल है। नवंबर के आखिरी सप्ताह से लेकर जनवरी तक दार्जिलिंग में जबरदस्त ठंड पड़ती है। इस समय आप दार्जिलिंग में घूमने और साइटसीइंग का मजा तो ले सकते हैं क्योंकि यहां पूरे दिन आसमान साफ रहता है और धूप खिली रहती है। लेकिन शाम और रात में ठंड बहुत होती है।

बेतला नैशनल पार्क, झारखंड

झारखंड के लातेहर और पलामू जिले में स्थित बेतला नैशनल पार्क में भारी संख्या में जंगली जानवर और खतरनाक सांप मिलते हैं। इसके अलावा पार्क में गरम पानी का एक झरना है, जहां सर्दियों के मौसम में नहाने का अलग ही मजा है। पार्क में भारी संख्या में हाथी, डोगरा चील, उल्लू, तीतर, कोयल, मोर, छपका और लाल जंगली मुर्गी जैसे कई जानवर और पक्षी हैं।

मानस नैशनल पार्क, असम

असम का मानस नैशनल पार्क, यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल की लिस्ट में शामिल है। इसके साथ-साथ इसे प्रॉजेक्ट टाइगर रिजर्व, बायोस्फियर रिजर्व और एलिफेंट रिजर्व घोषित किया गया है। हिमालय की तलहटी में स्थित यह पार्क भूटान तक फैला हुआ है। यह पार्क बालों वाले खरगोश, छतरी वाले कछुए, छोटे कद के सुअर और सुनहरे लंगूरों के साथ-साथ कई जानवरों का घर है।

बोधगया, बिहार

बिहार के गया जिले में स्थित बोधगया सिर्फ भारत में ही नहीं दुनिया भर में मशहूर है। यह बौद्ध धर्म के अनुयायियों का प्रमुख स्थान है। दुनियाभर से पर्यटक पूरे साल ही बोधगया घूमने आते हैं। यहां भगवान बुद्ध के कई अद्भुत मंदिर और प्रतिमाएं हैं।

भरतपुर बर्ड सैंक्चुरी, राजस्थान

राजस्थान के भरतपुर में स्थित इस बर्ड सैंक्चुरी को केवलादेव घना के नाम से भी जाना जाता है। इसे घना नाम यहां मौजूद घने वनों के कारण मिला है। यहां कई प्रजातियों के पक्षी पाए जाते हैं। इनमें देशी और प्रवासी पक्षी शामिल हैं। पक्षियों के अलावा भरतपुर नैशनल पार्क में आपको कई जंगली जानवर भी देखने को मिल जाएंगे।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
संतान की चिंता रहेगी। थोड़े प्रयास से अधिक लाभ होगा। भागदौड़ रहेगी। शत्रु भय रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धनार्जन होगा।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसंगति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

वृष
शुभ समाचार मिलेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। विवाद से बचें। सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा।

कन्या
नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर
भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति होगी। घर में तनाव संभव है। जीवनसाथी की चिंता रहेगी।

मिथुन
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग अनुकूल रहेंगे।

तुला
पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

कुंभ
स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु परास्त होंगे। लाभ होगा।

कर्क
फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी।

वृश्चिक
चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। मानसिक अशांति बढ़ेगी।

मीन
व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। अशुभ सूचना मिल सकती है। मानसिक अशांति बढ़ेगी। विवाद से क्लेश संभव है।

आईआरसीटीसी लाया नैनीताल घूमने का बेहतरीन मौका, जानें पैकेज डीटेल

इंडियन रेलवे कैटरिंग ऐंड टूरिजम कॉर्पोरेशन यात्रियों के लिए नैनीताल, मुक्तेश्वर, भीमताल और सत्तल के लिए चार रात और पांच दिन का एक बेहतरीन टूर पैकेज लेकर आया है। इस पैकेज के तहत आप सिर्फ 14,900 रुपए प्रति व्यक्ति खर्च करके इन बेहतरीन डेस्टिनेशन्स का लुत्फ उठा सकते हैं। आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, इस टूर की शुरूआत लखनऊ से प्रत्येक गुरुवार को होगी।

भारतीय रेलवे की पर्यटन शाखा आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, इस पैकेज के लिए एक व्यक्ति का खर्च 14,900 रुपए आएगा। इस टूर के लिए डबल और ट्रिपल ऑक्यूपेंसी के लिए अलग-अलग पैकेज हैं। अगर आप इस टूर पैकेज के तहत अक्टूबर 2019 और दिसंबर 2019 के बीच बुकिंग कराते हैं तो आपको डबल ऑक्यूपेंसी के लिए प्रति व्यक्ति 18,900 रुपये और ट्रिपल ऑक्यूपेंसी के लिए 14,900 रुपए चुकाने होंगे। वेबसाइट के अनुसार, यह टूर लखनऊ से स्टार्ट होगा और रातभर की यात्रा के बाद अगले काठगोदाम पहुंचेगा।

काठगोदाम से एक घंटे की यात्रा के बाद यात्रियों को नैनीताल के एक थ्री स्टार होटल में शिफ्ट किया जाएगा। पैकेज के अनुसार, सभी यात्रियों को नैनीताल में 4 रातों के लिए आवास के साथ भोजन की भी व्यवस्था होगी। होटल से लेकर टूर में शामिल दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए वाहन की सुविधा उपलब्ध कराना भी टूर पैकेज का हिस्सा है।

हालांकि आईआरसीटीसी के अनुसार, किसी भी तरह की कमरे की सेवाओं या टूर पैकेज से अलग अतिरिक्त दर्शनीय स्थलों की सैर के लिए यात्रियों को अलग से पैसे खर्च करने होंगे।

रोहित राजकोट में पूरी करेंगे मैचों की सेंचुरी, बनेंगे पहले भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा राजकोट में बांग्लादेश के खिलाफ जब टॉस के लिए उतरेंगे तो एक रेकॉर्ड उनका इंतजार कर रहा होगा। दरअसल, 7 नवंबर को खेला जाने वाला यह मैच हिटमैन के टी-20 इंटरनैशनल करियर का 100 मुकाबला होगा। वह 100 इंटरनैशनल मैच खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। ओवरऑल वह दुनिया के दूसरे क्रिकेटर बनेंगे।

रेकॉर्ड लिस्ट पर नजर डालें तो 100 इंटरनैशनल टी-20 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी पाकिस्तान के ऑलराउंडर शोएब मलिक हैं। उनके नाम फिलहाल रेकॉर्ड 111 मैच हैं। उनके बाद रोहित शर्मा और पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के नाम 99-99 मैच हैं। वहीं पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के नाम 98 टी-20 इंटरनैशनल मैच हैं। वह इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं।

भारतीय क्रिकेटरों रेकॉर्ड की बात करें तो रोहित शर्मा (99) और एमएस धोनी (98) के बाद धुरंधर ऑलराउंडर सुरेश रैना (78) और कप्तान विराट कोहली (72) का नंबर आता है। भारतीय लिस्ट में युवराज सिंह (57) 5वें नंबर पर हैं, जबकि ओपनर शिखर धवन (56) छठे नंबर पर हैं।

रोहित शर्मा के नाम फिलहाल 99 मैचों में 2452 रन दर्ज हैं। वह टी20 इंटरनैशनल क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कप्तान विराट कोहली उनसे कुछ ही कदम पीछे हैं। उन्होंने 72 मैचों में 2450 रन बनाए हैं। रोहित ने विराट का रेकॉर्ड दिल्ली टी-20 के दौरान तोड़ा था। रोहित के नाम टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक छक्के भी दर्ज हैं। उन्होंने 106 छक्के लगाए हैं। इसके अलावा उन्होंने सबसे अधिक 4 शतक भी लगाए हैं।

राजकोट टी-20 पर चक्रवात का खतरा, बारिश बिगाड़ सकती है खेल

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण से प्रभावित पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को राजकोट में होने वाले दूसरे मुकाबले पर चक्रवात का खतरा मंडरा रहा है। चक्रवात महा के मैच दिन ही गुजरात के तट से टकराने की संभावना है, जिससे राज्य में भारी बारिश हो सकती है।

भारतीय मौसम विभाग की नवीनतम भविष्यवाणी के अनुसार महा पोरबंदर और दीव के बीच गुरुवार तड़के चक्रवातीय तूफान के रूप में गुजरात के तट से टकराएगा। शहर के बाहरी हिस्से में स्थित सौराष्ट्र क्रिकेट संघ स्टेडियम में शाम सात बजे से मैच शुरू होने का कार्यक्रम है। फिलहाल की स्थिति के अनुसार महा अरब सागर में अत्यंत गंभीर चक्रवातीय तूफान और यह पोरबंदर से लगभग 660 किमी की दूरी पर है। भविष्यवाणी के अनुसार गुजरात तट से टकराने से पहले यह कमजोर होकर चक्रवातीय तूफान रह जाएगा।

महेश भूपति की जगह राजपाल बने नॉन-प्लेइंग कप्तान, एआईटीए पर भड़के रोहन बोपन्ना

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ी और अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) की चयन समिति के अध्यक्ष रोहित राजपाल को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले डेविस कप मुकाबले के लिए भारत का गैर खिलाड़ी कप्तान बनाया गया। एआईटीए के इस फैसले से दिग्गज टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना हैरान हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए खिलाड़ियों से इस फैसले के बारे में राय नहीं पूछे जाने पर नाराजगी जताई है।

बोपन्ना ने अपने ट्वीट में लिखा-मैं हैरान हूं कि आईटीएफ का अंतिम फैसला आने से पहले ही एआईटीए ने कप्तान बदलने का फैसला ले लिया। मैं इस बात से और भी हैरान हूं कि इस बारे में किसी खिलाड़ी से राय नहीं ली गई और न ही बताया गया कि कप्तान बदला जा

रहा है। बता दें कि इस तरह की अटकलें थी कि अनुभवी लिएंडर पेस को इस पद के लिए चुना जा सकता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ियों और कप्तान महेश भूपति के हटने के बाद उन्होंने स्वयं को उपलब्ध रखा था। भारत के सुरक्षा संबंधी चिंता जताने के बाद इस्लामाबाद में 29 और 30 नवंबर को होने वाले इस मुकाबले को पहले ही एक बार स्थगित किया जा चुका है। आईटीएफ ने कहा, 'एशिया/ओसनिया ग्रुप-1 मुकाबले को इस्लामाबाद में नहीं करने का फैसला किया गया है। अब यह मुकाबला न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित किया जाएगा।' ट

ाह मुकाबला 29-30 नवंबर को खेला जाएगा। दूसरी ओर, एआईटीए ने चंडीगढ़ में अपनी वार्षिक आम बैठक में राजपाल को नियुक्त करने का फैसला किया। एआईटीए के एक सूत्र ने बताया, पूर्व अध्यक्ष अनिल खन्ना और निवर्तमान प्रवीण महाजन ने रोहित राजपाल के नाम का प्रस्ताव रखा और सभी इस पर सहमत हो गए। राजपाल गैर खिलाड़ी कप्तान के रूप में पाकिस्तान जाएंगे और फिलहाल यह इंतजाम सिर्फ इस मुकाबले के लिए किया गया है।

एशियन चैम्पियनशिप: मनु भाकर ने 10एम एयर पिस्टल में जीता गोल्ड

दोहा। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने दोहा में आयोजित एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल गेम में गोल्ड मेडल जीता है। 14वीं एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में मनु ने भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

मनु भाकर ने फाइनल्स में 244.3 के स्कोर के साथ पहले स्थान पर रहते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। चैम्पियनशिप में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक है। मनु पहले ही टोक्यो ओलंपिक-2020 कोटा हासिल कर चुकी हैं। चीन की निशानेबाज कियान वांग ने 242.8 स्कोर के साथ रजत और वांग की हमवतन रेनक्सिन जियांग ने 220.2 स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत की यशस्वणी सिंह देशवाल ने इसी स्पर्धा में 157.4 के स्कोर के साथ छठा स्थान हासिल किया।

17 साल की युवा निशानेबाज मनु ने इस साल मई में जर्मनी के म्युनिख में हुए विश्व कप निशानेबाजी टूर्नामेंट में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहते हुए टोक्यो ओलंपिक का कोटा हासिल किया था। जबकि वाणी कपूर और मनीषा कीर की जोड़ी ने चैम्पियनशिप के मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में चीनी जोड़ी को 34-29 से स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

आईपीएल खिलाड़ियों की नीलामी 19 दिसंबर को कोलकाता में होगी

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राणा दग्गुबाती संग रिलेशनशिप पर बोलीं रकुल

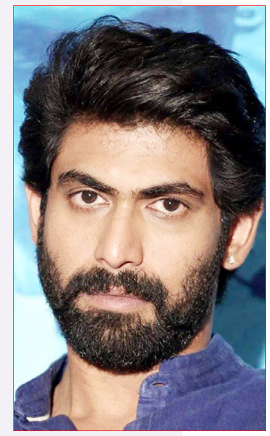

ऐक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और ऐक्टर राणा दग्गुबाती अच्छे दोस्त हैं। दोनों ऐक्टर्स के रिलेशनशिप को लेकर आए दिन खबरें आती रहती हैं। हालांकि रकुल प्रीत सिंह ने कहा है कि वह सिंगल हैं और उन्होंने राणा दग्गुबाती के साथ लिंकअप पर बात की है। एक चैट शो पर रकुल प्रीत सिंह ने इस बात की जानकारी दी कि उनकी जब राणा दग्गुबाती से दोस्ती हुई है, तब वह पहले से ही रिलेशनशिप में थीं। उनका कहना है कि राणा दग्गुबाती उनकी पहली फिल्म से उनके दोस्त है। इसके अलावा दोनों ऐक्टर्स एक-दूसरे के पड़ोसी हैं। रकुल प्रीत सिंह ने साफ तौर से कहा कि उनके और राणा दग्गुबाती के बीच कुछ भी नहीं है। रकुल प्रीत सिंह इस समय अपनी अपकमिंग फिल्म 'मारजावां' के प्रचार में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और तारा सुतारिया लीड रोल्स में हैं। यह फिल्म 22 नवंबर को रिलीज होगी। रकुल प्रीत सिंह दूसरी बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ काम कर रही हैं। इससे पहले दोनों फिल्म 'अय्यारी' में नजर आए थे। अपने अगले प्रॉजेक्ट में रकुल प्रीत सिंह अर्जुन कपूर के साथ रोमांस करते नजर आएंगी। काश्वी नायर के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। फिल्म इसी महीने फ्लोर पर जाने वाली है। लव स्टोरी बेस्ड इस फिल्म को पंजाब और लॉस एंजेलिस में शूट किया जाएगा।

प्रियंका और दीपिका के बाद आलिया भट्ट भी चलीं हॉलिवुड?

आलिया भट्ट मौजूदा समय में सबसे हिट ऐक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्हें बैक टू बैक प्रॉजेक्ट्स और सफलता मिल रही है, जिससे यह अदाकारा सिनेमा जगत में मजबूत स्थान बनाती जा रही है। बॉलिवुड में पहचान हासिल करने के बाद लगता है आलिया भट्ट अब दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा की तरह हॉलिवुड में भी नाम कमाना चाहती हैं। दरअसल, आलिया इन दिनों लॉस एंजिलिस में हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो यह अदाकारा इन दिनों अपनी मैनेजर के साथ मिलकर खुद के लिए इंटरनैशनल सिलेब्रिटी मैनेजर ढूंढ रही हैं। कहा जा रहा है कि आलिया बॉलिवुड के साथ ही हॉलिवुड में भी करियर बनाना चाहती हैं और दोनों के बीच में बैलेंस ढूंढने के लिए उन्हें मैनेजर की तलाश है। रिपोर्ट्स की मानें तो आलिया का मानना है कि करियर से जुड़े इस नए कदम को उठाने के लिहाज से उनके लिए अभी का समय परफेक्ट है। वैसे ऐक्ट्रस के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में दिखाई देंगी। इसके साथ ही उनके पास 'सड़क 2', 'तख्त' और संजय लीला भंसाली की फिल्म भी है।

रवीना ने की तारीफ तो पलटकर बोले कार्तिक

कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे की अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो' का ट्रेलर पिछले दिनों रिलीज हुआ और इसे ऑडियंस से अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। बॉलिवुड सेलिब्रिटीज को भी यह ट्रेलर पसंद आ रहा। पिछले दिनों फिल्म की तारीफ में रवीना टंडन ने एक ट्वीट किया, जिसपर कार्तिक ने जवाब दिया है। इस ट्रेलर के जरिए कार्तिक यानी चिंटू, भूमि यानी वेदिका और अनन्या यानी तपस्या ने साल 1978 की इसी नाम से आई हिट फिल्म के जादू को फिर से क्रिएट करने की कोशिश की है। ऑरिजन फिल्म में संजीव कुमार, विद्या सिन्हा और रंजीता कौर नजर आई थीं। मुदस्सर अजीज निर्देशित इस फिल्म के बैकग्राउंड में गोविन्दा और रवीना टंडन का पॉप्युलर सॉन्ग 'अखियों से गोली मारे' सुनाई पड़ रहा, जिसके बाद ऐक्ट्रेस इस ट्रेलर पर कॉमेंट करने से खुद को रोक न सकीं। रवीना ने इस ट्रेलर, निर्देशक और कलाकारों की तारीफ करते हुए लिखा कि उन्हें गाने का रीमिक्स काफी पसंद आया और ट्रेलर शानदार है। कार्तिक ने रवीना के इस ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा है, 'थैंक यू सो मच मैम, आपके फिल्म देखने का हमें बेसब्री से इंतजार है।' यह फिल्म 6 दिसम्बर को रिलीज हो रही है और इसी के साथ क्लैश होने को तैयार है अर्जुन कपूर की फिल्म 'पानीपत'।